



CONSORTIUM ADVISORY COMMITTEE MEETING OF NAIP COMPONENT – III

“Integrated Farming System Modules to Ensure Sustainable Livelihood Security for the Peasants of Disadvantaged Districts of Madhya Pradesh”



Dr.R.K.S.Tomar
(Programme Coordinator)



Jawahar Lal Nehru Krishi Vishwa Vidhayalaya
KRISHI VIGYAN KENDRA
TIKAMGARH (M.P.)

CAPACITY BUILDING

TRAINING PROGRAMMES – 3
NO. OF BENEFICIARY – 130

TIKAMGARH

- Badmadai
- Rigora
- Sundarpur

No. OF FARMERS – 50
DATE : 23-3-2009

JATARA

- Bijrawan
- Nadia
- Majhgua

No. OF FARMERS – 50
DATE : 24-3-2009

PRITHVIPUR

- Birora Khet
- Birora Pahad
- Satti Satta Tola

No. OF FARMERS – 30
DATE : 25-3-2009



TRAINING PROGRAMME – INTEGRATED FARMING SYSTEM (22-24 Oct., 2009)



NO. OF FARMERS - 30



FARMERS VISIT ON FIELD DEMONSTRATION - 60



KHARIF ONION



SRI METHOD IN PADDY

FARMERS VISIT IN TECHNOLOGICAL PARK - 300



PRODUCTION AND SUPPLY OF QUALITY PLANTING MATERIALS



HEALTHY NURSERY DEVELOPMENT



PAPAYA – PUSA NANHA

| PLANTING MATERIAL | | |
|-------------------|--------------|----------|
| CROP | VARIETY | QUANTITY |
| Papaya | Pusa Nanha | 100 |
| Chilli | Disha | 2000 |
| Brinjal | Pant Ritiraj | 2000 |
| Tomato | N - 7 | 6000 |



BRINJAL - PANT RITURAJ



TOMATO – NARENDRA - 7



CHILLI - DISHA

❖ *To Ensure quality seedlings at farmers door*

SOIL HEALTH MANAGEMENT – SOIL SAMPLE COLLECTION CAMPAIGN



Rally for soil testing with Folk instruments

| ACTIVITIES | NO. OF ACTIVITIES | NO. OF SAMPLE |
|-----------------------|-------------------|---------------|
| Soil Testing Campaign | 06 | 1368 |

pH = 7.32 (Normal)
EC (dsm⁻¹) = 0.28 (Normal)

NUTRIENT STATUS IN SAMPLES (%)

| NUTRIENTS | VERY LOW | LOW | MEDIUM | HIGH |
|----------------|----------|-----|--------|------|
| Organic Carbon | 10 | 67 | 20 | 30 |
| Nitrogen | 06 | 90 | 04 | - |
| Phosphorus | 15 | 38 | 22 | 25 |
| Potash | - | 14 | 81 | 05 |



TRAINING FOR SOIL SAMPLE COLLECTION



SAMPLING OF SOIL



COLLECTION OF SOIL SAMPLES

CONSERVATION AND MANAGEMENT OF RESOURCES



**Awareness rally about summer ploughing
with Nagadia folk instrument**



Motivation for summer ploughing



**Reduction – Pest and diseases
Weed infestation
Soil erosion**

Increase - Water holding capacity

EXTENSION ACTIVITIES – FIELD DAYS



No. of Field Days – 3
No. of Farmers - 450



PARTICIPATION IN KISHAN MELA



ANIMAL MANAGEMENT

Animal Health Camp – 2
Beneficiary - 300



De worming
(Piperazine 40ml at age of 1st week, repeated after 3 weeks)



Control of Ecto Parasites



Pregnancy Diagnosis



Artificial Insemination

| Title | Mineral supplements to cross-bred Cows. | | | | | | | |
|--|---|--------------------------------------|---------------------------|--------------|--------------------------------|------------------------------------|---------------------------|-------------------|
| Season & Year | Kharif - 2008-09 | | | | | | | |
| Problem | Milch Cows depend on grazing and imbalance ration without any Concentrate feeding resulting poor (1.7Lt./day / animal) milk production (affected 95% of the milch population). | | | | | | | |
| Name of Technology | Feeding mineral mixture @ 30-40 g/ day / animal from 8 month of Pregnancy till mid lactation. | | | | | | | |
| Farmers Practice | T₁ = Farmers Practice | | | | | | | |
| Assessed Rec. Practice | T₂ = Feeding mineral mixture @ 30-40 g/ day / animal from 8 month of Pregnancy till mid lactation. | | | | | | | |
| No. of Trials (Replication) | 75 | | | | | | | |
| Technology Assessed | Milk Production (Litre/ lactation) | % increase in milk production | Data on Parameters | | | | Net Income (Rs/ha) | BC Ratio** |
| | | | SNF | Fat % | Lactation period (days) | Intercalving period (Month) | | |
| No stall feeding | | | | | | | | |
| Live stock production management | | | | | | | | |
| Performance & Recommendations | | | | | | | | |
| Farmers Reaction | | | | | | | | |

KISAN MOBILE SANDESH

No. of Farmers - 45



Milk Man



Input Supplier



Rural Youth



Farmers

NO. OF PARTICIPANTS – 150

NO. OF PROGRAMME - 3

MITIGATION OF DROUGHT



अंक- 2 अंक- 6

संरक्षक
डॉ. गौतम कन्वु
कुलपति, ज.ने.कृ.वि. जबलपुर

मानदशोधक
डा. के. के. शर्मा
संचालक, विज्ञान सेवाएँ
ज.ने.कृ.वि. जबलपुर

डा. आर.के. पाठक
अधीनस्थ, कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़

डॉ. वृ.एम. गौतम
आंचलिक परिचोजना संचालक अंचल VII

मुख्य संपादक
डा. आर.के. एम. गौतम
कार्यक्रम संचालक
कृषि विज्ञान केंद्र, टीकमगढ़ (म.प्र.)

संपादक-
डा. रमेश कुमार सिंह
विशेषज्ञ (कृषि विज्ञान)
मोबा. : 9424601102
डा. आर.के. प्रजापति
विशेषज्ञ (पौध संरक्षण)
मोबा. : 9755300845
श्री बी.एन. साहू
विशेषज्ञ (शाय विज्ञान)
मोबा. : 9425814518
श्री पी.पी. चव्वाड़ा
कार्यक्रम संचालक (कम्प्यूटर)
अकाशिका
कृषि विज्ञान केंद्र, टीकमगढ़ (म.प्र.)
सम्पर्क-
फोन : 07683-244934 (अ.)
फैक्स : 07683-245034
ई-मेल : kvtkangarh@rediffmail.com

अल्प वर्षा की स्थिति में नगी संरक्षण के उपाय
टीकमगढ़ जिले में 31 अगस्त 09 तक कुल वर्षा 430 मि.मी. वर्षा अप्रत्याशित है जो कि सामान्य वर्षा से 34 प्रतिशत कम है। अतः इस परिस्थिति में निम्नलिखित कार्यवाही कर नमी संरक्षण की जा सकती है तथा संरक्षण नमी का उपयोग किया जा सकता है।

1- कार्यवाही-

1. रात आरा, सुरभी, बीज रो, स्प्रेड रो से छोटी फसल में कटाई में बोई फसल में गुदाई करे जिससे भूमि की ऊपरी परत टूट जाती है तथा नमी संरक्षित रहती है।
2. कटाई में बोई गई फसलों में कृषक/शोधक फसल से नई बोई फसल में निकालने से खरलपकानों की कटाई के बीच में खाना जमा में विज्ञान से निम्नलिखित कार्यवाही की जाये ताकि नमी संरक्षण रहेगी।
3. जून, मूल की कटाई प्रारम्भ होने काल में जल: कृषकों को सलाह दी जाती है कि फसल कटाई के मुख्य गुदाई कर फसल में घाट बना दें ताकि नमी में वर्षा होने पर नमी संचित हो सके।
4. यदि आगामी समय में वर्षा प्रारंभ होती है तो सोपानक कटाई के बाद खेत सिंचा गुदाई कर "सोपानक" से बोई गई फसलों की बोई करे।
5. खेती के दौरान के निचे कम फसल काले फसलें जैसे मटर, मसूर, चना एवं सरसों की रो बोई करे।
6. समय पर बोई करे।
7. सिंचाई के निचे उपयुक्त सिंचाई की विधियाँ उपयोग करना चाहिये।

2- कार्वनिक आदानों का उपयोग-
कार्वनिक आदान जैसे गोबर की खाद, बैजुआ खाद, गाड़ेय खाद, कल्पा, गोबर पैसल खाद का उपयोग करने पर निम्न लिखित लाभ होते हैं -

1. मिट्टी को बनेधार बनाता है।
2. भूमि की जलधारण क्षमता को बढ़ाता है।
3. मृदा जल को उठाने में सहायता है।
4. विकसित मिट्टी को भुरभुरा बनाता है।
5. मिट्टी को पोषक तत्वों के साथ-साथ हारनेना तथा एण्टीबायोटिक भी प्रदान करता है।
6. जर्पनीय आदान को अपने साथ बंधकर जर्पनीय आदानों के निक्षालन (सीपिंग) को कम करता है।
7. बलयात्र तत्वों के साथ-साथ यह बहुत सारे सूक्ष्म मायिक तत्वों को भी मृदा को प्रदान कराते है।
8. जल के कार्वनिक पदार्थ मृदा पर नष्ट हो, आक्सीजन, डाइट्रोट व लैक्टिक बैक्टीरिया करने से खेत तथा एण्टीबायोटिक को बंधकर परस्पर की आप्रता को बढ़ाते है।
9. यह सूक्ष्म जीवों के निचे भोजन एवं ऊर्जा प्रदान करता है।
10. लाभदायक जीवों (बैजुआ का कुल) के निचे भोजन प्रदान करता है।

3- सिंचाई कम की जाय-
खेती फसलों में सिंचाई की कठिनाई बनती समय उपलब्ध जल, मिट्टी का उच्च, फसल, फसल प्रकृति, कृषक, मिट्टी में नमी का मात्रा और क्षेत्र में बोई गई फसल फसल अति को समय में सफाई जल उपलब्ध है। जब मिट्टी में जल मात्र की इतनी कमो तो जाये कि फसल की वृद्धि एवं विकास पर उपलब्ध जल प्रदान करने की आवश्यकता हो तो सिंचाई करना आवश्यक हो जाता है। सफाई फसल की फसल की आवश्यकता को निम्नलिखित विधियों द्वारा जल नियंत्रण जा सकता है।

फसल के सिंचाई के विचार- जल की कमी होने पर फसल को निम्नलिखित विचार जा जाता है।

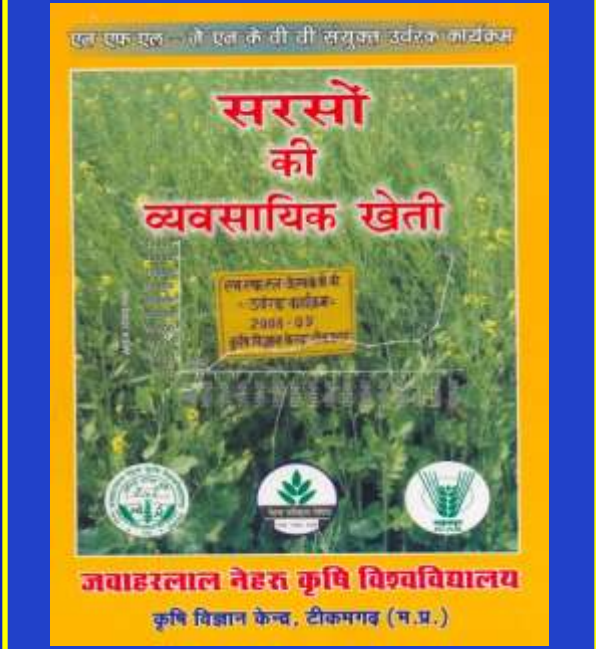
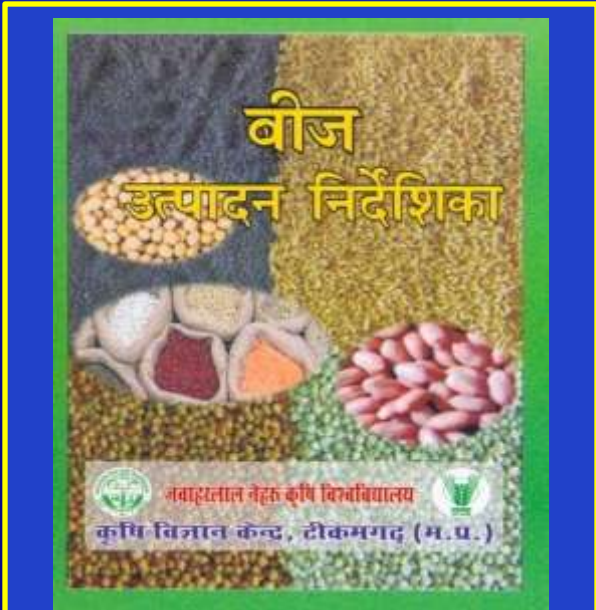
- (अ) फसल का रंग बदरा हो जाता है।
- (ब) फसल मुरझाने, सिक्काने, एवं एडने लगती है।
- (स) फसल में सिंचाई की कमी जाती है जिससे फसल मुरझाने जा जाता है।

अपना मोबाइल नम्बर लिखावे, घर बैठे कृषि की नई जानकारी एवं समस्याओं का समाधान पाये। सम्पर्क सूत्र- 9424601102

FARMERS FRIENDLY LITERATURE



FOLDERS



PARTICIPATORY SEED PRODUCTION PROGRAMME



No. of Farmers - 11





ACTION PLAN

ACTION TAKEN BY ASA

| Major livelihood System | Major Problems | Major Intervention | Expected Output (Increase in yield %) | Approximate Expenditure (Rs/Acre) |
|--------------------------------|---|---|---|--|
| CROP BASED | | | | |
| Wheat (C-1) | Imbalance dose of fertilizer (87:57:0 NPK kg/ha) | INM (120:60:40:5 NPK Zn+Azoto+ PSB) @ 20g/kg seed. | 45 -55% | 380 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 5700/ |
| Blackgram (C-1) | Heavy incidence of yellow vein mosaic | Variety replacement (PDU-1, PU-30, Azad-1, IPU-94-1) | 50% | 300 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 4500/ |
| Gram (C-II) | Heavy incidence of Helicoverpa | Pheromone trap + Bird perchers 50/ha + Neem oil @ 10ml/lit.+ quanalphos @ 1.5ml/lit. | 35-40% | 205 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 9225/ |

| Major livelihood System | Major Problems | Major Intervention | Expected Output (Increase in yield %) | Approximate Expenditure (Rs/Acre) |
|--------------------------------|--|--|---|--|
| Soybean (C-II) | Broad Casting Method of sowing | Ridge and Furrow method of Sowing by Seed drill | 25-30% | Agril. Engg. Deptt. |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. -/ |
| Groundnut (C-III) | Imbalance use of fertilizer (9:23:0)NPK kg/ha | INM (20:60:20:25 NPKS kg/ha + Rhi.+ PSB@ 20g/kg seed) | 20-30% | 375 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 5625/ |
| Mustard (C-III) | Heavy incidence of aphid | Safe insecticide Ethphenprox @ 10 EC 750ml/ha. | 20-25% | 170 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 2550/- |

| Major livelihood System | Major Problems | Major Intervention | Expected Output (Increase in yield %) | Approximate Expenditure (Rs/Acre) |
|--------------------------------|--|--|---|--|
| Chilli (C-1) | Heavy incidence of viral disease | Seed treatment with <i>T. viride</i> @ 1 kg/ha + spray of Imadachlopid @ 125 ml /ha + 1% spray of Sulphex | 60-80% | 195 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 2925/ |
| Tomato (C-II) | Tomato is sown in 781 ha. With yield of 19 tonnes/ha due to local varieties | Kashi Anmol | 40-50% | 200 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 3000/ |
| Zinger (C-III) | Heavy incidence of stem rot | Seed treatment+2 drenching with Redomil @ 3ml/ltr of water | 50-60% | 3528 |
| | | | | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 17640/- |

| Major livelihood System | Major Problems | Major Intervention | Expected Output | Approximate Expenditure (Rs/Acre) |
|---|--|---|--------------------|--------------------------------------|
| LIVE STOCK BASED | | | | |
| Cattle (C-I) | Dominance of non descriptive breed | Up gradation of non descriptive by AI with Exotic breed (Jersey) | 70% | Vety. Deptt. |
| | Feeding without mineral mixture | Feeding mineral mixture @ 30-40 g/day / animal from 8 month of Pregnancy till mid lactation | 15-20% | 5 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 3960/- (396) |
| | Incidence of seasonal diseases | Timely vaccination | - | Animal Camp |
| High Mortality in Buffaloes Calves | Deworming Piperazine 40ml/Calf at the age of 1st week | - | Rs. 10/Calf | |
| Fisheries (C-II) | Low production due to improper feeding | Lime – 40 gm/Sqm = 400kg/ha Phosphorus – 4gm/Sqm = 40kg/ha Oilcake – 150gm/Sqm = 1500kg/ha Raw Cow dung–300g/m³ = 3000kg/ha | 25-35% | 5000 |
| | | | | 1 Demo in each Village |
| | | | | Total Amount Rs. 15000/- |

| Major livelihood System | Major Problems | Major Intervention | Expected Output | Approximate Expenditure (Rs/Acre) | |
|--|--|--|---|---|--------------------------|
| Goat (C-III) | Prevalence of local breed. Low Body weight (20kg/yr.) and low productivity (two kid / year) | Introduction of Jamunapari breed | -60 kg body weight production /yr. , 3 kid /year | 5000/Buck | |
| | | | | 3 Demo in each Village | |
| | | | | Total Amount Rs. 15000/- | |
| Water Management (C-II & C-III) | No water conservation practices | Bunding and Terracing of field | Increase ground water | According to size of Nalah, fields | |
| | Soil Erosion | Small water harvesting structure on field | | | |
| | Depletion of Ground water | Temporary check done on Nalah | | | Check the erosion |
| | Depletion of Nutrients | Permanent check done on Nalah | | | |

KRISHI VIGYAN KENDRA, TIKAMGARH

THANKS

